सरोज स्मृति

आमूल – मूल अथवा जड़ तक, पूरी तरह
नवल – नया
स्पंद – कंपन
उर – हृदय, मन
स्तब्ध – स्थिर, दृढ़
उच्छ्वास – आह भरना
धीति – प्यास, पान
निराकार – जिसका कोई आकार न हो
रति-रूप – कामदेव की पत्नी के रूप जैसी, अत्यंत सुंदर
मही – पृथ्वी
सेज – शय्या, बिस्तर
शकुंतला – कालिदास की नाट्यकृति 'अभिज्ञान शाकुंतलम्' की नायिका
समोद – हर्षसहित, खुशी के साथ
जलद – बादल
न्यस्त – निहित
संबल – सहारा
बज्रपात – भारी विपत्ति, कठोर
स्वजन – आत्मीय, अपने लोग
शतदल – कमल
अर्पण – देना, अर्पित करना, चढ़ाना
तर्पण – देवताओं, ऋषियों और पितरों को तिल या तंडुलमिश्रित जल देने की क्रिया

© NCERT not to be republished